

DPN 5871

Title : चचा सफू CACĀ SAPHŪ

Run. No. 6562

Cat. No.

Micro. No.

Subject चचा सफू CACĀ SAPHŪ

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 21 x 7.5

Folios 6

Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyāsaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

५ नवद्वार २५

विनयनय

[illegible]

कवा

नयनिः सुवनशीकायुक्तकनीर्वासासिजिवमनिनां २ नियावमपुत्रमाशुगसिद्वकिबहाऊ
 गकमपुलमाशुगसिना ॥ ५ ॥ शिवागनिवधियात्र अत्रात्रयावदव सधमासिवृग
 मलाकृष्टवदव २ सिद्धायागीवंधूदनयविकसवाया सुवयगिबूदामहित २ वदव ॥ १ ॥
 बाहिकमवविकाशितवाधियात्र वामकमवधवदाथ २ गुक्तसुमवकवागद्वष्टात्रिद्वद्व
 खरुयदायति ॥ २ ॥ कूर्कुरुगवैगिरुतिकाया नमंशी अवगमलाकृष्टवदव २ नमा मि
 नमाभितविद्वदव सुर्ममधवागावदव ॥ ३ ॥ दशकुसिद्धात्रिगतवकूनधवि

यजुगतनार्थरुयदायौनेना २ शीप्रमिगारवैनिवगतधवियाशीलाकृष्टवदव ॥ ४ ॥
 सोरुववि ॥ नमा २ जिनधगुकरंदकवुवममृगिजालिनीगा २ वंकेहनयभरधगुष्टवय
 वृद्धधर्मआजयष्टवा ॥ ननाहं २ जगतसंसावउधवियामनारुवनमकु २ वंकेजिनष्ट
 वा ॥ १ ॥ नमासि २ शीशानि यष्टवलिद्विसिद्धिववदायन २ वलिनरुवदसर्वयाय
 कयकवदानयूनउदिभाकृयदा ॥ २ ॥ नमासि २ धर्मभारुवागिष्टव वादजय
 वावयविमहिना २ वादजगावदमूर्तमूर्तकावा सर्वदवगदसहिना ॥ ३ ॥

नमो भगवते वासुदेवाय

विद्यया मय २८

[illegible]

दीपिका २२

[illegible]

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ऊगननाथऊगननीलंनवजाया २सर्वसाधविशा २यतिगनितलक्षणा ॥ १ ॥
एवागमावत ॥ वज्रिष्ठात्रिभोत्रिवगात्रीवधुली २मिष्टिद्विष्टात्रिद्विष्टमूकउर्वकिनि ॥
६ ॥ नमामिष्टीयागमवयिहसप्तध्वनी २त्रिद्विष्टनवद्वीणीरुवनययिष्ट ॥ १ ॥
पूर्वउर्ध्ववयक्रिमदक्रिनदिगद्वी २जाकिनीदीयीनीववृसिकवाजी ॥ २ ॥ वरु
यदिगगुरुसूत्रनवद्वी २त्रिनीत्रिनिद्वीनाचक्रिद्वी ॥ ३ ॥ ॥ द्वात्रिंशद्वेष्टा ॥

वन्ना

रुद्राधिवर्दं ० रुद्रा मरुत रुद्रवर्धनमा के ३ स यत्र मा मरुत मय यत्र मरुत ॥ क ॥
 जहिवरुमहायान यार्क म दहिविना मृगयायन के २ दशयिक मरुता वरु गु अतथ नानुर्ववा
 धिवर्द ॥ १ ॥ सर्वतथा गमय रुद्रया यागयामि मया दन नु श्वर्यया सदिक्क नय विवलि
 न क मरुत कलि स बालि राम ॥ २ ॥ कसुम उदक मरुता साने क मया कि न कल समया
 वार्क यर्द २ म का रुद्र वरु द र्थन स वरु क द न वतिय विरुत सर्व ॥ ३ ॥ न मा मि २ श्री व
 क मरुत वरु वरु अट्ट रुद्रा विरुता २ स ग रुद्र वरु वरु क म वरु साद अ नु ल व सिद्धी य द मा क य द ॥ १ ॥

वर्जि क ७१८

१ वाग मरुत ॥ रुद्रि रुद्र वरु कलि या वरु मरुत वरु विरुता यो वरु द न वरु मरुता २ सि व वरु विरु
 वि र यी या रुद्रा विरु विरुता गरा क म विरुत वरु विरुता ॥ क ॥ यरु मरुत रुद्रा वरु द मा वरु का
 वा रुद्रा नाथ श्री मरुत वरु वा ॥ १ ॥ वरु क वरु न क दाय प्रध विरुता क वरु विरुता उ ख र्वा ग २ मरु
 न यो मी तिक मरुत विरुता मरुत २ मरुत मरुत मरुत विरुता ॥ २ ॥ वरु वा वरु विरुता मरुत मरुत
 ना वरु विरुत विरुत रुद्रा २ वा रुद्रि क विरुता विरुता द न रुद्रा अरु रुद्रा वरु न य साद ॥ ३ ॥
 मरुत रुद्रा मरुत विरुता मरुत क र्थया रुद्रा वरु वरु न य साद २ यरु अरु मरुत रुद्रा मरुत विरुत रुद्रा

वैशाखीनी १२ जिनववपन

विवाहसिद्धिवाक्यना ॥ ॐ ३३ ॥ १ ॥ रागमावसि ॥ वरुजागीनी हवववाया ॥ शि
कुववनाथा दहिमयो न ॥ ५ ॥ ॥ यिवसिधमहावसु मरुसुखकवसिया ॥ वरुद
वीरुविया अतुहवसुन ॥ १ ॥ ॥ उवनाविगिदवक मरुसुखा ॥ २ ॥ दहिदिवससि
यवनसुखवि ॥ २ ॥ ॥ कुकसिध यशमहासुख ॥ ३ ॥ ॥ सिसिधम विरुवावनि ॥ ३ ॥
सुगुवुसाद वरुथासिधक ॥ २ ॥ ॥ सिसिधम विरुवावनि ॥ ३ ॥ ॥ ॥ रागवसुन ॥ ३ ॥
नववजुनति यराहाव मनि ॥ विवाहसिधममसुद्वया अलिमधा ॥ ५ ॥ ॥ निर्वसु

नि २०
अवनिनि २१

हसुवयहोगा वसुयु ॥ २ ॥ ॥ आलिमधा आनदमयन ॥ १ ॥ ॥ रायसिधमरास
यवदियमयन ॥ २ ॥ ॥ रागविवागदिसिमा अलिमधा ॥ २ ॥ ॥ अडाजकुलिग संयागविठ
खना ॥ २ ॥ ॥ वनवयमुखन दया अलिमधा ॥ ३ ॥ ॥ ॥ दहदिहवने गीजावा मयवसु
मामि सुनधलि अलिमधा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ रागकाभा ॥ ५ ॥ ॥ अवनिनिग हिनवास
आन यजकिव नमावसुगसा ॥ २ ॥ ॥ रागद्वयमा वदि वयासा सिधववाया अवनविवा ॥ ५ ॥
नमामिगी वदुमहावायना कातमगुरुयक दिना ॥ २ ॥ ॥ आलिमधा ॥ ३ ॥ ॥ ॥ दहवयवया दहवयवा

अष्टवक्रवि २२

विन्दुनिकिर्णः ॥ १ ॥ माधवमायावृन्दवचक्रा वृद्धयिमायायादवरुवण २ समप्रसमा
यात्रागविमाहा. सनवायायीमादिनदहा ॥ ३ ॥ वलप्ररुत यङ्गलिगमालि. कयुवनेयस
नपुनकाया २ सुवनवताग. वदिनववध. वायासुप्रसुव अत्रविवा ॥ ४ ॥
बागनादिशाप्रसुव लाविग नयप्रद वमासां ह्वैविकुक्ता ह्वैव्या माह्वदहा २ नीलहरिगवकयीन
वर्णसा. वकदवासा. एकव प्रसमानेगा ॥ ५ ॥ नमामिआलि हाद्योमहासमवा. वरुवावा
हिसुनमाक वृणासं ॥ २ ॥ शिववण्डव मूवहगसत्रिहा विव्ववकी दंदवसककुका ॥ १ ॥
य

अष्टवक्रवि २२

अष्टवक्रवि २२

यथमयटवरु क्रुतनामा. वटिहा प्रजाकिनी वरुजाकिदि २ दिनिशआकाग वासुमय
निरु. किन्नरीयागीनीसुवैवौका ना ॥ २ ॥ रुमियवरुलप्रमिजवहना. दविनीवदक
हकृयादिधृगा २ वगुवसुवगु विह्वारगा रनागि. प्रसुगीरावृकववसुननाथा ॥ ३ ॥
वगुडनसुहसुवाधिसुत्वृगा. द्वावधादशद्वारिगनध्याना २ अकगुवमगुलसुदकृणा
सुव्यादनिअंभुग उंकाववजा ॥ ४ ॥ ॥ बागवसक ॥ कृष्टवर्णननुदादशकुजव
वशवमूहववह. हववकालि ॥ ५ ॥ नायेवशीसुमवविवा २ वरुवावाहिआलि